Name & Address | Office | Residence | Fax/Tele

बशीर बद्र

जो जहाँ थे, वहीं खड़े होंगे
जो किसी बात पर अड़े होंगे।
अब नये ज़हन और आयेंगे
इम्तिहानात भी कड़े होंगे।

—

उदासियों को सदा दिल के ताक़ में रखना
ये मोमबत्तियाँ हैं, फ़ुर्सतों में जलती हैं।
ये उलझनें भी ज़रूरी हैं ज़िंदगी के लिए
समन्दरों में ही मछलियाँ मचलती हैं।

—

दोस्तों के जाने के बाद ये जाना ग़ालिब
बेशक! कमीने थे, पर रौनक उन्हीं से थी ....